बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 169 ● नई दिल्ली ● सोमवार 20 अप्रैल 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा श्याम विहार, गैंगस्टर विकास लगरपुरिया गैंग के दो बदमाश दबोचे

नई दिल्ली । दिल्ली के छावला के श्याम विहार इलाके में एक मकान पर गोलीबारी करने आए दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। गोलीबारी के दौरान गैंगस्टर विकास लगरपुरिया गैंग के एक सदस्य रॉकी के पैर में गोली लगी है। दूसरे बदमाश की पहचान सुमित के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह के मुताबिक जिले के वाहन चोरी निरोधक शाखा को सूचना मिली थी कि दो बदमाश श्याम विहार इलाके में वारदात को अंजाम देने के लिए आने वाले हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर दी। चाइक से आए बदमाशों को रोकने पर उन्होंने पुलिस टीम पर तीन राउंड गोली चला दी।

RSS शताब्दी पर विज्ञापनों में 76 लाख से अधिक का सरकारी खर्च उजागर

नई दिल्ली।(आकाश शक्य)सामाजिक कार्यकर्ता विजय शंकर चतुर्वेदी ने एक महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए बताया है कि सूचना के अधिकार (RTI) के तहत प्राप्त जानकारी में संस्कृति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विज्ञापनों में 76,13,129 खर्च किए जाने की पुष्टि हुई है।

विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा कि यह जानकारी पारदर्शिता के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इससे यह स्पष्ट होता है कि सार्वजनिक धन का उपयोग किन उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार को ऐसे खर्चों के संबंध में स्पष्ट नीति और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि आम जनता के पैसे का उपयोग पूर्णतः जनहित में हो।

आरटीआई आवेदन के जवाब में संस्कृति मंत्रालय के AKAM सचिवालय, नई दिल्ली द्वारा 13 अप्रैल 2026 को जारी पत्र में यह जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि यह राशि विभिन्न प्रिंट मीडिया माध्यमों में प्रकाशित विज्ञापनों पर खर्च की गई।

चतुर्वेदी ने आगे कहा कि लोकतंत्र में सूचना का अधिकार नागरिकों को सशक्त बनाता है और इस तरह के खुलासे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता को मजबूती देते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस विषय पर व्यापक जनचर्चा होनी चाहिए, ताकि भविष्य में सरकारी व्यय को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए जा सकें।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि आवेदक संतुष्ट नहीं है, तो वह प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील कर सकता है।

यह मामला अब सार्वजनिक बहस का विषय बनता जा रहा है, जहां सरकारी खर्च की प्राथमिकताओं और उसकी पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

दिल्ली के समयपुर बादली में 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या, पुलिस ने 6 नाबालिग को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली में 19 वर्षीय युवक की कथित हत्या के आरोप में छह नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को खंगालने और स्थानीय जानकारी जुटाने के बाद शनिवार को आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि यह हत्या 14 अप्रैल की शाम को एमसीडी कॉलोनी इलाके में हुई, जब राजीव नाम के पीड़ित पर हमला किया गया। पुलिस को शाम करीब 7.44 बजे समयपुर बादली पुलिस स्टेशन में चाकूबाजी की सूचना मिली। टेम्पो चालक राजीव को शालीमार बाग स्थित अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विवाद 13 अप्रैल को शुरू हुआ, जब स्थानीय लोगों का एक समूह पीड़ित के घर के पास इकट्ठा हुआ, जिसके बाद तीखी बहस हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, "अगली शाम को उस समय टकराव और बढ़ गया जब पूरा झुंड वापस आया और राजीव पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने समयपुर बादली थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। टीम ने सफलतापूर्वक छह नाबालिगों को ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया। 15 वर्षीय एक युवक ने राजीव की जान ली थी। अन्य नाबालिगों की उम्र 14 से 16 वर्ष के बीच है। हत्या के पीछे का मकसद व्यक्तिगत दुश्मनी प्रतीत होता है। घटना से एक दिन पहले, मुख्य आरोपी और उसकी दादी का राजीव और उसके पिता के साथ झगड़ा हुआ था। पुलिस का कहना है कि झगड़े के दौरान की गई अपमानजनक टिप्पणियों के कारण ही यह जवाबी हमला हुआ। पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

साउथ दिल्ली में जल्द मिलेगी जाम से राहत, मां आनंदमयी मार्ग पर बनेगा 6 लेन फ्लाईओवर

नई दिल्ली । दक्षिणी दिल्ली में हर दिन जाम से जूझने वाले लाखों लोगों के लिए राहत की खबर है. कालकाजी फ्लाईओवर से महरौली-बदरपुर रोड को जोड़ने वाले मां आनंदमयी मार्ग पर जल्द ही नया फ्लाईओवर बनने जा रहा है. इस प्रोजेक्ट से इलाके की ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा सुधार होने की उम्मीद है और लोगों का रोज का सफर आसान हो सकता है.

हाल ही में किए गए ट्रैफिक सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं.

इस करीब 5.5 किलोमीटर लंबे रास्ते पर हर घंटे 10 हजार से यादा वाहन गुजरते हैं. यह संख्या सामान्य ट्रैफिक से कहीं यादा है, जिसकी वजह से यहां अक्सर लंबा जाम लग जाता है. खासकर क्राउन प्लाजा और ओखला फेज-2 सिग्नल के पास हालत सबसे यादा खराब रहती है, जहां लोग घंटों फंसे रहते हैं. मां आनंदमयी मार्ग एक अहम कनेक्टिंग रोड है, जो कालकाजी फ्लाईओवर को सीधे महरौली-बदरपुर रोड से जोड़ती है. इस रास्ते के बीच में ओखला इंडस्ट्रियल एरिया पड़ता है और आसपास कई रिहायशी कॉलोनियां भी हैं. ऑफिस टाइम में यहां ट्रैफिक का दबाव और बढ़ जाता है, जिससे जाम की समस्या और गंभीर हो जाती है.

30 साल पुराने राष्ट्रपति भवन फर्जीवाड़ा केस के सभी आरोपी बरी, कोर्ट ने कहा- सबूत नहीं, सिर्फ शक

नई दिल्ली । दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने देश के सबसे पुराने लंबित आपराधिक मामलों में से एक में बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी जीवित आरोपियों को बरी कर दिया. यह मामला राष्ट्रपति भवन के दस्तावेजों में कथित हेरफेर और फर्जी एंट्री से जुड़ा था. जिसकी जांच करीब तीन दशक पहले शुरू हुई थी. एडिशनल यूडिशियल मजिस्ट्रेट योति महेश्वरी ने मोहन लाल जाटिया, अशोक जाटिया और अशोक जैन को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया. इन पर आपराधिक साजिश, फर्जी दस्तावेज बनाने और सबूतों में हेरफेर जैसे गंभीर आरोप लगे थे. इस मामले में दो अन्य आरोपी मिलाप चंद जगोत्रा और गुरचरण सिंह की सुनवाई के दौरान ही मौत हो चुकी थी. इसलिए उनके खिलाफ कार्यवाही पहले ही खत्म कर दी गई थी. यह मामला साल 1986 से जुड़ा है, जब मोहन लाल जाटिया को COFEPOSA कानून के तहत हिरासत में लिया गया था. जाटिया ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए कोर्ट में कहा था कि उन्होंने राष्ट्रपति को एक आवेदन भेजा था लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. यहीं से पूरे मामले में शक पैदा हुआ. आरोप लगा कि राष्ट्रपति सचिवालय के रिकॉर्ड में फर्जी तरीके से एंट्री डालकर यह दिखाने की कोशिश की गई कि आवेदन पहुंचा था.

दिल्ली के समयपुर बादली में 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या, पुलिस ने 6 नाबालिग को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली में 19 वर्षीय युवक की कथित हत्या के आरोप में छह नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को खंगालने और स्थानीय जानकारी जुटाने के बाद शनिवार को आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि यह हत्या 14 अप्रैल की शाम को एमसीडी कॉलोनी इलाके में हुई, जब राजीव नाम के पीड़ित पर हमला किया गया। पुलिस को शाम करीब 7.44 बजे समयपुर बादली पुलिस स्टेशन में चाकूबाजी की सूचना मिली। टेम्पो चालक राजीव को शालीमार बाग स्थित अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विवाद 13 अप्रैल को शुरू हुआ, जब स्थानीय लोगों का एक समूह पीड़ित के घर के पास इकट्ठा हुआ, जिसके बाद तीखी बहस हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, "अगली शाम को उस समय टकराव और बढ़ गया जब पूरा झुंड वापस आया और राजीव पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने समयपुर बादली थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। टीम ने सफलतापूर्वक छह नाबालिगों को ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया। 15 वर्षीय एक युवक ने राजीव की जान ली थी। अन्य नाबालिगों की उम्र 14 से 16 वर्ष के बीच है। हत्या के पीछे का मकसद व्यक्तिगत दुश्मनी प्रतीत होता है। घटना से एक दिन पहले, मुख्य आरोपी और उसकी दादी का राजीव और उसके पिता के साथ झगड़ा हुआ था। पुलिस का कहना है कि झगड़े के दौरान की गई अपमानजनक टिप्पणियों के कारण ही यह जवाबी हमला हुआ। पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रोहिणी में गैस कालाबाजारी का भंडाफोड़, 57 सिलेंडर के साथ डिलीवरी एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली। घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध कालाबाजारी करने के मामले में क्राइम ब्रांच ने रोहिणी से एक गैस एजेंसी के डिलीवरी एजेंट को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 57 गैस सिलेंडर बरामद किए गए। साथ ही अपराध में इस्तेमाल टाटा पिकअप, वजन तौलने की मशीन और गैस ट्रांसफर करने का उपकरण भी बरामद किया गया है। डीसीपी क्राइम ब्रांच पंकज कुमार के मुताबिक रोहिणी में कई जगहों पर एक साथ की गई छापेमारी में अवैध रैकेट सामने आया, जिसमें एलपीजी सिलेंडरों के भंडारण और रिफिलिंग की जा रही थी। एसीपी अशोक शर्मा व इंस्पेक्टर पुखराज सिंह की टीम को सूचना मिली कि रोहिणी के रामा विहार इलाके में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और अवैध रिफिलिंग हो रही है। उक्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने रोहिणी सेक्टर 22 के सुरसुमन गैस एजेंसी के पास छापा मार लोकपाल नाम के डिलीवरी एजेंट को गिरफ्तार कर लिया। वह राजीव नगर, बेगमपुर का रहने वाला है। छापेमारी में जो 57 सिलेंडर बरामद किए गए उनमें 50 भरे, दो खाली और पांच में गैस कम थी। लोकपाल एक अधिकृत गैस एजेंसी से जुड़ा है। वह मूलरूप से एटा का रहने वाला है। इस एजेंसी के पास एचपी की डिस्ट्रीब्यूटरशिप है और यह रोहिणी इलाके में एलपीजी गैस बांटने के लिए जिम्मेदार है। एजेंसी का अधिकृत स्टोरेज गोदाम रोहिणी में ही है।

भारत की परमाणु यात्रा में एक नया अध्याय

भारत ने अपनी परमाणु ऊर्जा रणनीति में एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है जिसने इसे दुनिया के सबसे उन्नत परमाणु राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्वदेशी रूप से विकसित 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने सफलतापूर्वक 'क्रिटिकैलिटी' (सतत् नाभिकीय श्रृंखला अभिक्रिया) प्राप्त कर ली है। इस गौरवशाली क्षण के साथ ही भारत आधिकारिक तौर पर अपने 'तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम' के दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है। भारत अब रूस के बाद दुनिया का केवल दूसरा ऐसा देश बन गया है जो वाणिज्यिक स्तर पर फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का संचालन करेगा। भारत के परमाणु कार्यक्रम के वास्तुकार डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने दशकों पहले एक ऐसे भविष्य की कल्पना की थी, जहां भारत अपने विशाल थोरियम भंडारों का उपयोग करके ऊर्जा के क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भर बन सके। पीएफबीआर की सफलता उसी दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। यह रिएक्टर जितना ईंधन इस्तेमाल करता है उससे अधिक उत्पन्न करने की क्षमता रखता है। यह तकनीक भविष्य में थोरियम से यूरेनियम-233 बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी, जो भारत के तीसरे चरण (असीमित ऊर्जा) का मुख्य आधार है। रणनीतिक बढ़त और वैश्विक दबदबा यह उपलब्धि सिर्फ वैज्ञानिक नहीं बल्कि रणनीतिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जहां दुनिया के अधिकांश देश यूरेनियम आपूर्ति के लिए दूसरों पर निर्भर हैं, भारत ने अपनी सीमित यूरेनियम भंडार की चुनौती को अपनी स्वदेशी तकनीक से अवसर में बदल दिया है। भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) द्वारा निर्मित यह रिएक्टर 'आत्मनिर्भर भारत' का सबसे बड़ा उदाहरण है। परंपरागत परमाणु रिएक्टरों के विपरीत, फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों (एफबीआर) का एक अनूठा लाभ है वे जितना ईंधन खपत करते हैं उससे अधिक ईंधन का उत्पादन कर

आज का विश्व केवल आर्थिक या राजनीतिक संघर्षों का नहीं, बल्कि ऊर्जा की सुरक्षा और संसाधनों पर नियंत्रण का भी युग है। पश्चिम एशिया में उभरे तनाव, विशेषकर ईरान से जुड़े संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यूरेनियम अब केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुका है।

सकते हैं। आयातित यूरेनियम पर निर्भरता कम करें दीर्घकालिक ऊर्जा स्थिरता में सुधार करें इससे एफबीआर तकनीक भारत जैसे उन देशों के लिए बेहद मूल्यवान बन जाती है जिनके पास यूरेनियम के सीमित भंडार हैं लेकिन थोरियम के प्रचुर भंडार हैं। भारत की परमाणु ऊर्जा रणनीति तीन चरणों वाले मॉडल पर आधारित है चरण 1- यूरेनियम आधारित रिएक्टरचरण 2- तीव्र प्रजनक रिएक्टर (जैसे कल्पक्कम पीएफबीआर)चरण 3- थोरियम-आधारित ऊर्जा प्रणालियां कल्पक्कम रिएक्टर चरण 2 और चरण 3 के बीच सेतु का काम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिससे भविष्य में बड़े पैमाने पर थोरियम के उपयोग का मार्ग प्रशस्त होता है। आज का विश्व केवल आर्थिक या राजनीतिक संघर्षों का नहीं, बल्कि ऊर्जा की सुरक्षा और संसाधनों पर नियंत्रण का भी युग है। पश्चिम एशिया में उभरे तनाव, विशेषकर ईरान से जुड़े संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यूरेनियम अब केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुका है। यह युद्ध विश्व को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की आवश्यकता का संदेश देता है। तीन चरणों वाली इस यात्रा को आसान बनाना नामुमकिन था। पहला परीक्षण फास्ट ब्रीडर रिएक्टर 2000 के दशक की शुरुआत में ही बन पाया था। इस सफर के दौरान कई बार ऐसा लगा कि भारत अपना लक्ष्य भटक गया है। उम्मीद है कि कल्पक्कम में क्रिटिकैलिटी हासिल करने से यह बदलाव एक बार फिर से गति पकड़ लेगा। कल्पक्कम से मिली खबरों से संकेत मिलता है कि भारत आखिरकार अपने परमाणु क्षेत्र के तेजी से विस्तार के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। परमाणु ऊर्जा मिशन की स्थापना, शांति अधिनियम का लागू होना, एसएमआर के विकास को बढ़ावा देना और निजी भागीदारी के लिए परमाणु क्षेत्र को खोलना, ये सभी इस दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम हैं। देश 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को बढ़ाकर कम से कम 100 गीगावाट (जीडब्ल्यू) करने की योजना बना रहा है। यह लक्ष्य भारत की स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने के अवसर से भी जुड़ा हुआ है। वर्तमान में भारत में 24 परमाणु रिएक्टर संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता 8,780 मेगावाट इलेक्ट्रिक (एमडब्ल्यूई) है। इसके अलावा, 6,028 एमडब्ल्यूई क्षमता वाले 8 और रिएक्टर निर्माणाधीन हैं। सरकारी अनुमान के अनुसार, 2030 के शुरुआती वर्षों तक यह क्षमता करीब 22 गीगावाट तक पहुंच सकती है, जिसके बाद इसे तेजी से बढ़ाकर 100 गीगावाट के लक्ष्य तक ले जाया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्यारह गुना से अधिक की इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है, जिसमें बड़े परमाणु रिएक्टर जैसे स्वदेशी 700 एमडब्ल्यूई प्रेसराइड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) और ग्रीनफील्ड साइट्स पर आयातित बड़े प्लांट शामिल हैं। साथ ही स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर जैसे 200 एमडब्ल्यूई भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर) और 55 मेगावाट इलेक्ट्रिक एसएमआर-55 यूनिट्स पर भी काम किया जा रहा है। 2047 तक भारत की ऊर्जा मांग लगभग तीन गुना होने का अनुमान है। सौर और पवन ऊर्जा वर्तमान जरूरतें पूरी कर रही हैं परंतु उनकी अनियमितता के कारण स्थिर ऊर्जा के रूप में परमाणु ऊर्जा आवश्यक बनी रहेगी।

सम्पादकीय...

देवगुरु ने दैत्यगुरु का रूप क्यों धारण किया

देवराज इंद्र के मन में सदैव दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य का भय बना रहता था। एक दिन इंद्र ने अपनी पुत्री जयंती से कहा, 'बेटी, शुक्राचार्य हमारे शत्रुओं के हित में तप कर रहे हैं। यदि उनका तप सफल हो गया, तो देवताओं की कठिनाई बढ़ जाएगी। तुम शुक्राचार्य के पास जाकर उन्हें अपनी सेवा से प्रसन्न करो, ताकि वह कुछ समय तक अपने कार्य से विमुख हो जाएं।' पिता का आदेश मानकर जयंती शुक्राचार्य के पास पहुंची। उस समय शुक्राचार्य ध्यान में लीन थे। जयंती ने बड़ी श्रद्धा से उनकी सेवा आरंभ कर दी। कुछ समय बाद जब शुक्राचार्य ने जयंती को देखा, तो उन्होंने पूछा, 'सुंदरी, तुम कौन हो? मुझसे क्या चाहती हो?' जयंती ने उत्तर दिया, 'ऋषिवर! मैं आपके साथ कुछ समय व्यतीत करना चाहती हूं।' यह सुनकर शुक्राचार्य ने जयंती को अपने साथ दस वर्षों तक रहने की अनुमति दे दी। इन दस वर्षों में शुक्राचार्य असुरों से दूर रहे। इसी अवसर की देवताओं को प्रतीक्षा थी। उधर बृहस्पति को जैसे ही यह समाचार मिला कि शुक्राचार्य दैत्यों को छोड़कर चले गए हैं, तो उन्होंने तुरंत उनका रूप धारण किया और असुरों के पास पहुंच गए। असुरों ने उन्हें देखते ही प्रणाम किया और बोले, 'गुरुदेव! आप आ गए!' शुक्राचार्य के रूप में बृहस्पति ने उत्तर दिया, 'मैं तप करके लौटा हूं और अब तुम्हें नई विद्याएं सिखाऊंगा।' यह सुनकर असुर प्रसन्न होकर बोले, 'गुरुदेव, हम आपसे नई विद्याएं सीखने के लिए तैयार हैं।' इस प्रकार असुर, दस वर्षों तक बृहस्पति को शुक्राचार्य मानकर उनसे शिक्षा ग्रहण करते रहे। उधर जब दस वर्ष पूरे हुए, तब शुक्राचार्य असुरों के पास लौट आए। उन्होंने देखा कि कोई उनका रूप धारण करके असुरों को शिक्षा दे रहा है। वह समझ गए कि यह देवताओं के गुरु बृहस्पति की एक चाल थी। शुक्राचार्य ने दैत्यों को समझाने का प्रयास किया और उनसे कहा, 'दैत्यों! मैं ही तुम्हारा सच्चा गुरु शुक्राचार्य हूं। यह जो तुम्हारे सामने खड़े हैं, ये वास्तव में देवताओं के गुरु बृहस्पति हैं और इन्होंने मेरा रूप धारण करके तुम्हें भ्रम में डाल दिया है।' असुरों ने जब दो शुक्राचार्य देखे, तो वे दुविधा में पड़ गए और सोचने लगे कि उन दोनों में से असली शुक्राचार्य कौन है। असुर दुविधा में पड़े सोच-विचार कर ही रहे थे कि तभी बृहस्पति ने असली शुक्राचार्य की ओर संकेत करते हुए असुरों से कहा, 'असुरो! यह कोई बहुरूपिया है। तुम्हारा गुरु मैं ही हूं। यह तुम्हें धोखा देने का प्रयास कर रहा है।' यह सुनकर असुर और उलझन में फंस गए। तब उन्होंने विचार किया, 'जो हमें दस वर्षों से शिक्षा दे रहा है, वही हमारा गुरु है!' यह सोचकर उन्होंने बृहस्पति को ही अपना गुरु मान लिया। यह देखकर शुक्राचार्य का क्रोध भड़क उठा। उन्होंने कहा, 'मूर्खो! मैंने तुम्हें समझाया, फिर भी तुमने मेरी बात नहीं मानी। इसलिए मैं तुम्हें शाप देता हूं कि युद्ध में तुम्हारी बुद्धि नष्ट हो जाएगी और तुम देवताओं के हाथों पराजित हो जाओगे!' इतना कहकर शुक्राचार्य वहां से चले गए। बृहस्पति की योजना सफल हो गई थी। वह प्रसन्न होकर अपने वास्तविक रूप में प्रकट हुए और फिर मुस्कुराते हुए अंतर्ध्यान हो गए।

महाराष्ट्र सरकार का यह कैसा फ़ैसला?

अनिल जैन

हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान का राग अलापने वाली भाजपा की महाराष्ट्र सरकार ने फैसला किया है कि आगामी एक मई से ऑटो रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के लिए यह अनिवार्य हो जाएगा कि वे धारा-प्रवाह मराठी बोलें और मराठी भाषा को पढ़ सकें। इस सिलसिले में राय सरकार का परिवहन विभाग खास सत्यापन अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस अभियान के तहत देखा जाएगा कि ड्राइवर प्रभावी ढंग से मराठी बोलने, लिखने, और पढ़ने में सक्षम है या नहीं। जो ड्राइवर वेरिफिकेशन में फेल होंगे, उनके लाइसेंस और परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। मगर, सवाल है कि क्या ऐसा करना वैधानिक है? किसी भी राय से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है। ऐसे में भाषा बोलने-पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राय में उसकी मान्यता खत्म करना निहायत ही आपत्तिजनक काम है। अगर ऐसी ही सोच से दूसरे राय भी प्रेरित हुए तो मराठी भाषी सहित तमाम इलाकाई लोगों के लिए अन्य क्षेत्रों में मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। महाराष्ट्र में 65 से 70 प्रतिशत टैक्सी-ऑटो ड्राइवर अन्य रायों के हैं और वे वहां वर्षों से काम कर रहे हैं तो जाहिर है कि वे महाराष्ट्र के आम जन से संवाद करने लायक भाषा जानते-समझते हैं। महाराष्ट्र सरकार को यह समझना चाहिए कि भाषा जानने और सीखने का संबंध काफी हद तक रोज-रोटी के तकाजों से जुड़ा होता है। इसलिए उसका यह फैसला सिर्फ देश के किसी हिस्से में जाकर रोजी-रोटी कमाने के नागरिकों के मूलभूत संवैधानिक अधिकार के ही खिलाफ नहीं है बल्कि राष्ट्रीय एकता की भावना को भी आघात पहुंचाता है।

उप सभापति तो ठीक है, उपाध्यक्ष का क्या?

रायसभा के उप सभापति का पद खाली होने महज एक सप्ताह के भीतर ही उसका चुनाव भी हो गया और हरिवंश नारायण सिंह लगातार तीसरी बार इस पद के लिए चुन लिए गए। नौ अप्रैल को हरिवंश नारायण सिंह का रायसभा का कार्यकाल खत्म होने की वजह से उप सभापति का पद खाली हुआ था, लेकिन 10 अप्रैल को ही सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें उच्च सदन के लिए मनोनीत कर दिया। हरिवंश नारायण ने मनोनयन के दिन यानी 10 अप्रैल को शपथ भी ले ली और 17 अप्रैल को वे फिर से उप सभापति चुन लिए गए। लेकिन सवाल है कि लोकसभा के उपाध्यक्ष

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल राजनीति में कई विचारों के जनक माने जाते हैं। उनके वे विचार अछे हैं या बुरे, यह अलग मसला है। जैसे उन्होंने विचारधारा विहीन राजनीति की शुरुआत की। उनकी पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है। उन्होंने कहा कि गवर्नेंस अपने आप में एक विचारधारा है। इसी तरह उन्होंने मुफ्त में सेवाएं और वस्तुएं बांटने की परंपरा उत्तर भारत में शुरू की और स्थापित की। वैसे ही एक नई मिसाल उन्होंने बनाई है। विशेष अदालत में शराब नीति घोटाला रद्द हो जाने के बाद सीबीआई ने उस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी तो उसके खिलाफ केजरीवाल खुद अपनी पैरवी कर रहे हैं। इसके अलावा पहली बार ऐसा हुआ कि किसी आरोपी नेता ने हाई कोर्ट में खड़े होकर पैरवी की और जज को मुकदमे से हटने के लिए कहा। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट की जज जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से कहा कि उन्हें मुकदमे से हट जाना चाहिए। इस मुकदमे के दौरान जस्टिस शर्मा की टिप्पणियों और आदेश का मामला अपनी जगह है। उससे तो केजरीवाल ने पूर्वाग्रह का आरोप लगाया ही लेकिन उन्होंने चौकाने वाली बात यह कही कि आरएसएस से जुड़े संगठन अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रम में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा चार बार गई हैं।

का क्या होगा? सरकार ने जितनी तत्परता उप सभापति के चुनाव में दिखाई है वैसी तत्परता उपाध्यक्ष के लिए क्यों नहीं दिखाई जा रही है? गौरतलब है कि लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद सात साल से खाली है। पिछली यानी 17वीं लोकसभा में भी उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं हुआ और पूरे पांच साल तक यह पद खाली रहा। 18वीं लोकसभा के भी दो साल पूरे होने वाले हैं। इस तरह सात साल से एक संवैधानिक पद को खाली रखा गया है। संसद और संविधान के प्रति सची श्रद्धा और निष्ठा रखने का दावा करने वाली सरकार इस बार भी उपाध्यक्ष का चुनाव कराने के मूड में नहीं दिख रही है।

चुनावी रायों में पैसा बांटने की होड़

यह बड़ा सवाल है कि क्या चुनाव जीतने के लिए कुछ भी वादा किया जा सकता है? जो सरकार में है वह दोनों हाथों से खजाना लुटा रहा है और जो विपक्ष में है वह उससे यादा खुले हाथों से खजाना लुटाने का ऐलान कर रहा है। इस सिलसिले में पश्चिम बंगाल के चुनाव में भाजपा ने नई मिसाल बनाई है। उसने ऐलान किया है कि उसकी सरकार बनी तो हर महीने महिलाओं को तीन हजार रुपए देगी। ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले लक्ष्मी भंडार योजना के तहत सामान्य और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को 1500 और एससी व एसटी समुदाय की महिलाओं को 1700 रुपये महीना देने का ऐलान किया है। उसके जवाब में भाजपा ने राशि सीधे दोगुनी कर दी है। पश्चिम बंगाल की करीब 10 करोड़ आबादी में से अगर दो करोड़ महिलाओं को भी तीन-तीन हजार रुपये हर महीने दिए जाते हैं तो साल में सरकार को 72 हजार करोड़ रुपये की जरुरत होगी। महाराष्ट्र जैसा राय 1500 रुपये महीना दे रहा है और उसमें उसकी हालत ऐसी हो गई है कि सारी बड़ी योजनाएं ठप पड़ी हैं और सरकार को अपना काम चलाने के लिए अपने सागवान के पेड गिरवी रखना पड़ रहे हैं। भाजपा ने बेरोजगार युवाओं को भी तीन हजार रुपये महीना देने का ऐलान किया है। हालांकि भाजपा के इस वादे पर बंगाल में लोगों को यकीन नहीं ही होगा क्योंकि दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी ने महिला दिवस पर आठ मार्च 2025 से मुख्यमंत्री महिला सम्मान राशि देने का ऐलान किया था, जो एक साल बीत जाने के बाद भी नहीं दी जा रही है।

अखंड जोत की जगह कृत्रिम योति स्वरूप'

अयोध्या के राममंदिर में एक योति स्वरूप' स्थापित करने की जानकारी देने वाला पोस्टर सोशल मीडिया में आया है। इसे राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से पोस्ट किया गया है। इसमें दिखाया जा रहा है कि पूरे वैदिक मंत्रोचार के साथ साधु, संत, प्रशासक आदि मिल कर एक कृत्रिम योति स्वरूप' स्थापित कर रहे हैं। यह बिजली से जलने वाला है या कह सकते है कि जलने का आभास देने वाला दीपक है। इसे लेकर रामभक्तों और भाजपा समर्थकों की ओर से भी गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया में इसे लेकर विवाद छिड़ा है। संघ और भाजपा के यादातर समर्थक इस बात से नाराज है कि घी का अखंड जोत जलाने की बजाय चाइनीज कृत्रिम योति स्वरूप' क्यों स्थापित किया जा रहा है? यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या कोई पुजारी नहीं है, जो स्थायी रूप से दीपक जलाने का बंदोबस्त करे और उसकी देखरेख करे? यह भी पूछा जा रहा है कि क्या राममंदिर के प्रशासक वामपंथियों से डरे हुए है कि अगर दीपक जलाया तो कहा जाएगा कि उसके धुएं और ताप से अंटार्कटिका की बर्फ पिघल जाएगी? इसी प्रकरण में यह सवाल भी उठा है कि राममंदिर में ऐसी जगह नहीं है, जहां बैठ कर लोग रामचरितमानस का पाठ कर सकें। यूजीसी की ओर से सवर्ण छात्रों को अपराधी बनाने वाली नियमावली जारी होने के बाद से इस तरह के मुद्दे खुद राइट विंग के लोग यादा उठाने लगे हैं।

केजरीवाल ने क़ायम की नई मिसाल

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल राजनीति में कई विचारों के जनक माने जाते हैं। उनके वे विचार अछे हैं या बुरे, यह अलग मसला है। जैसे उन्होंने विचारधारा विहीन राजनीति की शुरुआत की। उनकी पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है। उन्होंने कहा कि गवर्नेंस अपने आप में एक विचारधारा है। इसी तरह उन्होंने मुफ्त में सेवाएं और वस्तुएं बांटने की परंपरा उत्तर भारत में शुरू की और स्थापित की। वैसे ही एक नई मिसाल उन्होंने बनाई है। विशेष अदालत में शराब नीति घोटाला रद्द हो जाने के बाद सीबीआई ने उस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी तो उसके खिलाफ केजरीवाल खुद अपनी पैरवी कर रहे हैं। इसके अलावा पहली बार ऐसा हुआ कि किसी आरोपी नेता ने हाई कोर्ट में खड़े होकर पैरवी की और जज को मुकदमे से हटने के लिए कहा। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट की जज जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से कहा कि उन्हें मुकदमे से हट जाना चाहिए। इस मुकदमे के दौरान जस्टिस शर्मा की टिप्पणियों और आदेश का मामला अपनी जगह है। उससे तो केजरीवाल ने पूर्वाग्रह का आरोप लगाया ही लेकिन उन्होंने चौकाने वाली बात यह कही कि आरएसएस से जुड़े संगठन अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रम में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा चार बार गई हैं। केजरीवाल ने कहा कि वे और उनकी पार्टी आरएसएस की विचारधारा का विरोध करते हैं और चूंकि जस्टिस शर्मा आरएसएस के कार्यक्रम में चार बार गई हैं इसलिए केजरीवाल को भरोसा नहीं है कि उनकी अदालत में न्याय मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने करना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साय पैरासल्या एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाटी, मो : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2010/[illegible])

कोलकाता की प्रख्यात समाजसेवी संजना राम का दिल्ली में भव्य सम्मान

नई दिल्ली। (साहिल गौड़) देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित एक गरिमामय एवं प्रेरणादायक समारोह में कोलकाता की प्रख्यात समाजसेवी सुश्री संजना राम को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान एवं आजीवन समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रसिद्ध समाजसेवी, मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा राष्ट्र टाइम्स के संपादक श्री विजय शंकर चतुर्वेदी द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर सुश्री संजना राम को स्मृति-चिह्न, शॉल एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह का वातावरण अत्यंत गरिमामय और प्रेरणादायक रहा, जिसमें समाज सेवा के प्रति उनके अद्वितीय समर्पण की सराहना की गई। इस अवसर पर श्रीमती सुनीता चतुर्वेदी की

गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और बढ़ा दी।

संजना राम पिछले दो दशकों से अधिक समय से सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वर्ष 2002 में स्थापित उनकी संस्था ÷कोशिश÷ के माध्यम से उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवाधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक स्तर पर कार्य किया है। उनकी पहल ने समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है।

वर्तमान में वे केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ जुड़कर समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनकी कार्यशैली में जमीनी स्तर की समझ एवं नीतिगत दृष्टिकोण का उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिलता है, जो उन्हें विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। संजना राम ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। उनके निरंतर प्रयासों एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका है। इसके बावजूद समाज के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण एवं कार्य के प्रति उत्साह आज भी पूर्ववत् अटूट है। सामाजिक कार्यों के साथ-साथ उन्होंने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अनेक शोध कार्यों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे सामाजिक नीतियों एवं योजनाओं को दिशा प्रदान करने में सहायता मिली है।

दिल्ली में आयोजित यह सम्मान समारोह उनके संघर्ष, सेवा एवं समर्पण की प्रेरणादायक यात्रा का प्रतीक है। यह कार्यक्रम न केवल उनके कार्यों का सम्मान है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए भी एक सशक्त प्रेरणा है कि सच्ची निष्ठा और सेवा भाव से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

सोहगीबरवा जंगल में लगी भीषण आग, वन विभाग में मचा हड़कंप

महराजगंज।

जिले में सोहगीबरवा के जंगलों में रविवार को भीषण आग लग गई है। आग की भयावह लपटों की चपेट में आने से जहां वन संपदा धू धू कर जल रही है। वही वन्य जीवों के लिए संकट खड़ा हो चुका है। हालांकि जंगल में लगी आग और आग लगने की घटनाओं को लेकर वन विभाग की टीम सतर्क हो चुकी है। वह आग पर काबू पाने के लिए हर स्तर के प्रयास में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक जिला सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग के कुल 342 वर्ग किलोमीटर प्राकृतिक वन क्षेत्र से घिरा हुआ है। इनमें कीमती पेड़ पौधे जड़ी बूटियां समेत ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल के साथ ही जंगली जीव जंतुओं का भी निवास है। इसी बीच सोहगीबरवा वन क्षेत्र के दक्षिणी चौक रेंज में लगी आग ने हवाओं के

साथ भयावह रूप ले लिया है। ऐसे में घने जंगलों की वन संपदा धू-धू कर जल रहे हैं। इससे पूरा इलाका घने धुएं की चपेट में आ गया है। आग की भयावह लपटों के बीच वन्य जीवों के सामने भी जीवन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सुरक्षित ठिकानों की तलाश में जानवर इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। डीएफओ निरंजन सुर्वे ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि जंगलों में अवैध रूप से प्रवेश कर आग न लगाएं। उन्होंने बताया कि सूखी झाड़ियों की कटाई फायर लाइन के मानकों के अनुसार की जा रही है, ताकि आग को फैलने से रोका जा सके। साथ ही, जंगल से सटे किसानों से विशेष आग्रह किया गया है कि वे खेतों में गेहूं के डंठल (पराली) को न जलाएं,क्योंकि इससे जंगल में आग लगने का खतरा और बढ़ जाता है। इन्होंने आगे कहा कि वन क्षेत्र में आग न लगने पाए इसको लेकर वन विभाग के द्वारा बड़ी तैयारी की गई है। फायर लेन कटान से वन क्षेत्र में जो सूखे झाड़ पतझड़ है, उन्हें काटा जा रहा है। इतना ही नहीं जो सूखी पत्तियां हैं उनको कंट्रोल बर्निंग के जरिए नष्ट किया जा रहा है। कोई भी जंगल में अवैध प्रवेश कर आग जलाने की घटना ना करने पाए। इसको लेकर वन विभाग को किसी भी अवैध प्रवेश पर रोक लगाने को लेकर निर्देश दिया गया है। जंगल के आसपास रहने वाले लोगों के साथ बैठक कर लोगो को किसी भी तरह से आग ना लगाने की अपील की जा रही है। वन क्षेत्र में जो वॉटर होल्स है।

वन स्टॉप सेंटर (सखी) का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं पाई गईं संतोषजनक

कुशीनगर। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भुवन द्वारा शुक्रवार को वन स्टॉप सेंटर (सखी) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र की साफ-सफाई, खान-पान, पेयजल सहित सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं और किसी प्रकार की खामी नहीं मिली। निरीक्षण के समय समस्त कर्मचारी एवं पुलिस बल उपस्थित मिले। सचिव ने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेने के साथ ही बैरक का भी मुआयना किया। इस दौरान सेंटर मैनेजर रीता यादव, डिस्ट्रिक्ट मिशन को-ऑर्डिनेटर नलिन सिंह, प्रियंका चौरसिया, चंदा सिंह (पैरा मेडिकल नर्स), मुनीष कुमार (कार्यालय सहायक), रंजना उपाध्याय (महिला आरक्षी) तथा शीला (एमटीएस) उपस्थित रहीं।

अग्निशमन सेवा सप्ताह, स्कूलों में बच्चों को सिखाए गए आग से बचाव के गुर

देवरिया।

अग्निशमन तथा आपात सेवा जनपद-देवरिया द्वारा 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 तक मनाए जा रहे अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान बच्चों को आग लगने के कारणों, बचाव के तरीकों और आपातकालीन स्थिति में सूझबूझ से काम लेने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के तहत स्कॉलर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल राघवनगर, बीएन पब्लिक स्कूल, केडी पब्लिक स्कूल उमनागर, सेंट जेवियर्स स्कूल गौरीबाजार, सेंट जेवियर्स स्कूल सलेमपुर, सेंट जेवियर्स स्कूल भाटपाररानी, एसबीटी पब्लिक स्कूल गौरीबाजार एवं आरएसएस अकैडमी सलेमपुर में सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज–आग की रोकथाम के लिए एक साथ थीम पर निबंध लेखन एवं चार्ट मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित

कराई गईं। विद्यार्थियों को गैस सिलेंडर एवं शॉर्ट-सर्किट से होने वाली अग्नि दुर्घटनाओं के प्रति जागरूक किया गया। बताया गया कि आपातकालीन स्थिति में किस तरह सतर्कता और सूझबूझ के साथ काम करके नुकसान को कम किया जा सकता है। बच्चों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा उत्कृष्ट रचनाओं का प्रदर्शन किया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार, अग्निशमन द्वितीय

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार ने दिया अग्निशमन उपकरणों का व्यावहारिक प्रशिक्षण, मेधावी छात्रों को किया गया पुरस्कृत

अधिकारी विशाल यादव एवं उनकी टीम द्वारा विद्यालयों में पहुंचकर अग्निशमन उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई।

उनका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी कराया गया, जिससे बच्चे आपात स्थिति में इन उपकरणों का इस्तेमाल करना सीख सकें। कार्यक्रम के अंत में अग्निशमन विभाग एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों और शिक्षकों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक कर एक सुरक्षित समाज का निर्माण करना है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस- 70 मामलों में 12 का मौके पर निस्तारण, अधिकारियों को सख्त निर्देश

पडरौना, कुशीनगर।

प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनसुनवाई एवं शिकायतों के त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी निस्तारण के उद्देश्य से तहसील सदर (पडरौना) में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सहित जनपद स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। कार्यक्रम में कृषि, समाज कल्याण, महिला कल्याण, मनरेगा, राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों से संबंधित कुल 70 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 12 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 58 प्रकरणों के शीघ्र समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। विभागवार आंकड़ों के अनुसार राजस्व विभाग के 42 मामलों में 12 का निस्तारण हुआ, जबकि 30 लंबित रहे। पुलिस विभाग के 14, विकास विभाग के 11 तथा अन्य विभागों के 3 मामले प्राप्त हुए, जिनका निस्तारण लंबित है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों की जांच प्राथमिकता के आधार पर करते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व विवादों के समाधान के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक शिकायत का समाधान पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, आपसी रंजिश और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में त्वरित व प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्र प्रकाश वर्मा, उपजिलाधिकारी पडरौना, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, समस्त थाना प्रभारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

20 अप्रैल को अक्षय तृतीया- शुभ योग में दान, पूजन व नए कार्यों की शुरुआत का विशेष महत्व

पडरौना।

महर्षि पाराशर ज्योतिष संस्थान ÷ट्रस्ट÷ के ज्योतिषाचार्य पं. राकेश पाण्डेय के अनुसार इस वर्ष अक्षय तृतीया का पावन पर्व 20 अप्रैल, सोमवार को मनाया जाएगा। वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि प्रातः 10:40 बजे तक रहेगी। इस दिन प्रातः 07:36 बजे तक कृतिका नक्षत्र रहेगा, जिसके बाद रोहिणी नक्षत्र और सौभाग्य योग का शुभ संयोग बनेगा, जो मांगलिक कार्यों के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। मध्याह्न काल में चंद्रमा वृष राशि में स्थित रहेंगे, जिससे इस दिन किए गए शुभ कार्यों का अक्षय फल प्राप्त होने की मान्यता है। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि अक्षय तृतीया पर स्नान-दान का विशेष महत्व है। इस दिन मध्याह्न काल में सत्तू, शर्करा, जल, फल, मिष्ठान्न एवं पंखा आदि का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन आदि शक्ति जगदंबा को अक्षय पात्र प्राप्त हुआ था, जिसमें

रखा अन्न कभी समाप्त नहीं होता। इस परंपरा के तहत पीतल के पात्र में गोदुग्ध से खीर बनाकर भगवती अन्नपूर्णा को भोग लगाने और बाद में उसी पात्र में चावल या गेहूं भरकर रखने से घर में वर्ष भर धन-धान्य की कमी नहीं होती और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया को किसी भी नए कार्य की शुरुआत के लिए सर्वश्रेष्ठ दिन माना गया है। इस दिन बिना विशेष मुहूर्त के भी विवाह, गृह प्रवेश, खरीदारी या अन्य शुभ कार्य किए जा सकते हैं। साथ ही इसी दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव भी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। राशिफल के अनुसार मेष राशि वालों को स्थान परिवर्तन व धन लाभ के योग बनेंगे, जबकि वृष राशि के जातकों को मानसिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन राशि के लिए कार्यों में वृद्धि के संकेत हैं, वहीं कर्क राशि वालों को यश व धन लाभ प्राप्त होगा। सिंह राशि के जातकों को मानसिक तनाव रह सकता है, जबकि कन्या राशि वालों को शारीरिक कष्ट की आशंका है। तुला राशि के लिए आकस्मिक धन लाभ के योग हैं, वहीं वृश्चिक राशि के व्यापार में वृद्धि व लाभ के संकेत मिल रहे हैं। धनु राशि के जातकों को आर्थिक नुकसान हो सकता है, जबकि मकर राशि वालों को रोगों में वृद्धि की संभावना है। कुंभ राशि के लिए धन लाभ के योग हैं, वहीं मीन राशि के जातकों को आर्थिक हानि का सामना करना पड़ सकता है।

डीयू में नारी शक्ति इवेंट के दौरान भेदभाव का आरोप, स्लीवलेस कपड़े पहनने पर मंच से रोका गया

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा साचह शर्मा ने दौलत राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित नारी शक्ति इवेंट में उसके साथ स्लीवलेस कपड़ों को लेकर भेदभाव का आरोप लगाया है. छात्रा ने अपने सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिए इस घटना की जानकारी दी है. उसने बताया कि उसके पास एक मॉक पार्लियामेंट के लिए न्योता आया. यह श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में हो रहा था. छात्रा ने बताया कि इसका टॉपिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम था. यह कार्यक्रम पूरी तरह महिलाओं का कॉन्फ्रेंस था. इसमें सारे पोर्टफोलियो महिलाओं को ही दिए गए थे. इस कार्यक्रम में खेल मंत्री मनसुख मंडाविया मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए थे. छात्रा ने बताया कि इस बीच मुझसे उनका सम्मान करने के लिए कहा गया था, लेकिन इसी बीच मुझे अधिकारियों ने रोक दिया. उन्होंने कहा कि आपने स्लीवलेस पहना है इसलिए आप उनको सम्मान नहीं दे सकती. छात्रा ने इस अनुभव को बहुत ही अजीब और डिस्गस्टिंग बताया है. मुझे यह सबके सामने बोला गया जो मुझे बहुत शर्मिंदा कर गया. छात्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए हमें ड्रेस कोड दिया गया था. इसमें हमसे पारंपरिक पोशाक पहनकर आने को कहा गया था. सभी लड़कियां सूट और साड़ी पहनकर आई थीं. मैंने भी सूट पहन रखा था. उसने आगे बताया कि मैं अकेली ऐसी लड़की नहीं थी वहां जिसने स्लीवलेस सूट पहना हुआ था. इस दौरान उन्होंने खुलासा किया कि उनको रोकने वाली एक महिला अधिकारी थी. जिन्होंने मुझे उनका सम्मान नहीं करने दिया. वहीं छात्रा ने मंत्रालय के अधिकारियों पर एक और गंभीर आरोप लगाया है. उसने बताया कि तीन अधिकारी कार्यक्रम के खत्म होने के बाद बाहर आते हैं. इस दौरान हम लोग फोटो खींच रहे थे. तभी वह आकर हमसे कहते हैं कि इसलिए देश आगे नहीं बढ़ रहा है क्योंकि इस देश की औरतें एक घंटे से सिर्फ फोटो खिंचवा रही हैं. इस पर छात्रा ने जवाब देते हुए कहा कि मैंने उनसे कहा कि हमारे फोटो खिंचवाने से देश की प्रगति कैसे रुक रही है. छात्रा ने आगे कहा कि इससे ज्यादा अजीब हमारे लिए कुछ हो ही नहीं सकता था. मैंने उनसे उनका नाम पूछने की कोशिश की तो उन्होंने इनकार कर दिया. साचह शर्मा ने आगे कहा कि मुझे लगता है ऐसे लोगों को मंत्रालय में नहीं होना चाहिए. यह लोग नारी शक्ति की बात करते हैं. यह लोग महिलाओं के लिए बिल पास करने की बात करते हैं. जिससे महिला सशक्तिकरण होगा. उसने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस बिल से कोई बदलाव आ पाएगा अगर आप लोगों का माइंडसेट नहीं बदलेगा तो. वहीं साचह शर्मा के आरोपों का अन्य छात्रा ने खंडन किया है. कार्यक्रम में शामिल एक छात्रा ने बताया कि मंच पर कौन जाएगा इस बात को लेकर चर्चा हुई जिसके बाद साचह ने मंच से हटने की सहमति जताई.

हम महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करेंगे, कोई भी शक्ति हमें रोक नहीं सकती -राजनाथ

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने को लेकर कांग्रेस और द्रमुक की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि सरकार इसे लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और दुनिया की कोई भी शक्ति हमें ऐसा करने से नहीं रोक सकती।

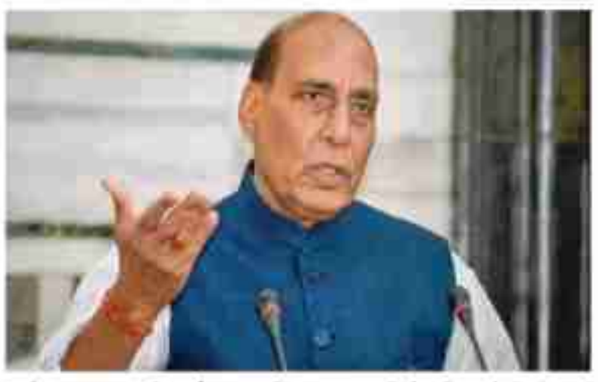

तेनकासी जिले में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए वासुदेवनल्लूर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अनंतन अय्यासामी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक पर जमकर हमला बोला और लोगों से चुनाव में उसे अलविदा कहने का आग्रह किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा संसद, विधानसभाओं और विधान परिषदों में हमारी माताओं और बहनों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के संबंध में संसद में एक विधेयक लाया गया। द्रमुक, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दलों ने इसे पारित नहीं होने दिया। फिर भी, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के आधार पर आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम निश्चित रूप से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देंगे और दुनिया की कोई भी ताकत हमें रोक नहीं सकती। भाजपा नीत केंद्र सरकार को बड़ा झटका लगा, क्योंकि संसद-विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 2029 से 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करने के उद्देश्य से लाया गया संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को खारिज हो गया। भ्रष्टाचार को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर निशाना साधते हुए सिंह ने कहा कि तमिलनाडु के कुछ मंत्री प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों की नजर में हैं और -टीएएसएमएसी (तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड) घोटाला इस बात का उदाहरण है कि राज्य में भ्रष्टाचार कितना गहराई से फैला हुआ है। उन्होंने राज्य में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का समर्थन करते हुए कहा, द्रमुक सरकार गरीबों के जीवन से खिलवाड़ कर रही है। द्रमुक सरकार में भ्रष्टाचार के आरोप आम बात हो गए हैं। अब समय आ गया है कि इस भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई जाए और सत्ताधारी दल को विदाई दी जाए। तमिलनाडु के लोग अपनी आस्था के लिए जाने जाते हैं और जो कोई भी सनातन धर्म का मजाक उड़ाने की कोशिश करेगा, वह जनता की नजरों में गिर जाएगा। तिरुप्परनकुंद्रम में दीप जलाने संबंधी विवाद का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अदालत के आदेश के बावजूद, द्रमुक सरकार ने श्रद्धालुओं को वहां के स्तंभ (दीपथून) पर दीप प्रज्वलित करने की अनुमति नहीं दी। सिंह ने कहा कि यदि राजग सत्ता में आता है, तो दीप प्रज्वलन की परंपरा को जारी रखने की अनुमति दी जाएगी और यह राजग की गारंटी है।

बंगाल की पहचान बचाने की लड़ाई है यह विधानसभा चुनाव- पीएम मोदी

बंगाल । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को राज्य की पहचान बचाने की लड़ाई बताते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर मूल निवासियों के बजाय घुसपैठियों के पक्ष में राजनीति करने का आरोप रविवार को लगाया। मोदी ने आदिवासी बहुल झाड़ग्राम जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों के लिए घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है और मतदाताओं से इसे सत्ता से हटाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, यह चुनाव इस भूमि की समृद्ध विरासत को बचाने के लिए है। यह बंगाल की पहचान को बचाने के लिए है।

आज बंगाल को अपनी पहचान खोने का डर है। उन्होंने आरोप लगाया, तृणमूल जिस रास्ते पर चल रही है वह बहुत खतरनाक है। तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों के लिए, घुसपैठियों की और सरकार बनाना चाहती है। एक ऐसी सरकार जो बंगाल की जनता के धर्म, भाषा और रीति-रिवाजों की रक्षा करने के बजाय केवल घुसपैठियों के धर्म, भाषा और रीति-रिवाजों की रक्षा करेगी। मोदी ने दावा किया कि ऐसी सरकार के लिए सबसे बड़ी बाधा पश्चिम बंगाल के आम लोग होंगे। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस की घुसपैठियों वाली सरकार के लिए, अगर कोई शत्रु है, तो वे यहीं बैठे भाई-बहन होंगे, जो घुसपैठियों के शत्रु होंगे। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ असंतोष राज्य के सभी समुदायों और क्षेत्रों में फैल गया है। उन्होंने कहा, इसलिए, बंगाल के हर समुदाय, हर वर्ग, हर क्षेत्र ने इस बार ठान लिया है और तृणमूल कांग्रेस सरकार को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया है। मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करने और भ्रष्टाचार व जबरन वसूली की व्यवस्था चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, अगर किसी को घर बनाना है, तो उसे तृणमूल कांग्रेस के सिंडिकेट पर निर्भर रहना पड़ता है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक आपकी समस्याओं की परवाह नहीं करते। वे अपनी जेबें भरने में व्यस्त हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस नेता राज्य के कई हिस्सों में आदिवासियों की जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, आदिवासियों की हजारों एकड़ जमीन पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने कब्जा कर लिया है। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होगा। झाड़ग्राम में 23 अप्रैल को मतदान होगा।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 16 लोगो की मौत

विरुधुनगर में हादसा, 6 घायल, कई मलबे में दबे; आसपास की बिल्डिंग में भी दरारें आईं

नई दिल्ली । तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में पटाखा बनाने वाली एक यूनिट में बड़ा धमाका हुआ है. पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में फिलहाल 16 लोगों की मौत हो गई है, जबकि मौके पर राहत और बचाव का काम जोरों पर चल रहा है. पटाखा फैक्ट्री में हुए जोरदार विस्फोट के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और अधिकारियों के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है. इससे पहले फरवरी के आखिर में आंध्र प्रदेश में ऐसा ही हादसा हुआ था. जहां काकिनाडा जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे. तब एक आधिकारिक प्रेस रिलीज में बताया गया था कि विस्फोट के समय पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में लगभग 20 लोग काम कर रहे थे. सीएम नायडू ने वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों को दुर्घटनास्थल का दौरा करने का निर्देश दिया था. इसके अलावा पिछले दिनों ही छत्तीसगढ़ के वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर फटने से बड़ा हादसा हुआ है. जिसमें घायल झारखंड के एक और मजदूर की रविवार को रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई. 14 अप्रैल को हुई इस दुखद घटना के बाद अब तक मरने वालों की कुल संख्या 24 हो गई है. धमाके में कुल 36 मजदूर बुरी तरह झुलस गए थे. सूत्रों के मुताबिक, बाकी घायलों में से तीन की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है. सभी घायल मजदूरों को बेहतरीन इलाज मुहैया कराया जा रहा है और मृतकों के परिवारों को हर संभव मदद दी जा रही है.

वोट नहीं दिया तो राशन-आधार बंद, प्रवासी श्रमिकों को धमकी भरे कॉल; बंगाल चुनाव से पहले दहशत

कोलकाता। जल्दी घर लौटो। आकर वोट डालो, वरना तुम्हारा राशन बंद करवा देंगे। आधार कार्ड भी रद हो जाएगा। विभिन्न राज्यों में काम कर रहे बंगाल के बहुतेरे प्रवासी श्रमिकों को इन दिनों अज्ञात नंबरों से ऐसे धमकी भरे फोन आ रहे हैं। वे इसे लेकर आशंकित हैं। कुछ तो डर के मारे मतदान से काफी पहले घर लौट आए हैं, जबकि कुछ अब भी डरे हुए हैं। धमकी भरे फोन के घटनाक्रम ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया है। वोट अधिकार के साथ दबाव का औजार भी बन रहा है। जैसे-जैसे मतदान का दिन 23 और 29 अप्रैल नजदीक आ रहा है, प्रवासी श्रमिकों के सामने असली चुनाव यही है, डर के आगे झुकना या लोकतंत्र के लिए खड़ा होना।

प्रवासी श्रमिकों का वोट होगा अहम

बंगाल में इस बार प्रवासी श्रमिकों का वोट भी काफी अहम होने वाला है, यह भांपकर सभी दल अपने तरीके से इस वर्ग को साधने में जुट गए हैं। विभिन्न राज्यों में बंगाल के 45-50 लाख श्रमिक काम करते हैं। इनमें सबसे अधिक मालदा व मुर्शिदाबाद जिलों के हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा व गुजरात में बंगाल के प्रवासी श्रमिकों की संख्या सबसे अधिक है। इनमें मुस्लिम समुदाय के युवाओं की अच्छी-खासी संख्या है। अधिकतर निर्माण क्षेत्र से जुड़े हैं। कोई राजमिस्त्री, कोई प्लंबर तो कोई इलेक्ट्रीशियन है। एक वर्ग कल-कारखानों में काम करता है, जबकि महिलाओं में ज्यादातर घरों में सहायिका के तौर पर काम करती हैं। चुनाव आयोग अविलंब कदम उठाए - संगठनबंगाल में प्रवासी श्रमिकों के प्रमुख संगठन परिजायी श्रमिक ऐक्य मंच के पदाधिकारी आसफ आबेदीन ने बताया-विभिन्न राज्यों में कार्यरत हमारे बहुत से सदस्यों को ऐसे धमकी भरे फोन आने की जानकारी मिली है।

आयोग को मिली शिकायतें

चुनाव आयोग को अविलंब इस बाबत कदम उठाना चाहिए। इसके पीछे कौन है, उसका पता लगाया जाना चाहिए। वहीं, बंगाल के अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी अरिंदम नियोगी से पूछे जाने पर उन्होंने कहा-शिकायतें तो मिली हैं, लेकिन अभी सटीक संख्या बता पाना मुश्किल है। मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय के सूत्रों के अनुसार अब तक ऐसी 450 शिकायतें दर्ज हुई हैं। मुर्शिदाबाद अपने घर लौटे एक श्रमिक ने बताया-मैं कुछ दिन पहले मुंबई में एक बहुमंजिला इमारत की छत की ढलाई का काम कर रहा था, जब मुझे अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने अपना परिचय नहीं दिया। उसने कड़े शब्दों में कहा कि घर आकर अपना वोट दो, वरना मुश्किल में पड़ जाओगे। बंगाल के मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, उत्तर दिनाजपुर, उत्तर व दक्षिण 24 परगना, कोलकाता, जलपाईगुड़ी, नदिया व हावड़ा जिलों के ऐसे बहुत से श्रमिक हैं, जिन्हें धमकी भरे फोन मिले हैं। भय के कारण इनमें से ज्यादातर अपना नाम उजागर करने से भी कतरा रहे हैं। कुछ ने साहस दिखाकर चुनाव आयोग के पास शिकायत दर्ज कराई है।

ऐक्य मंच की ओर से प्रवासी श्रमिकों को कानूनी सहायता प्रदान कर रहे अधिवक्ता जाकिर हुसैन ने कहा-एसआइआर की प्रक्रिया में जिन प्रवासी श्रमिकों के नाम कटे हैं, हम न्यायाधिकरण के समक्ष अपील करने में उनकी मदद कर रहे हैं।

उत्तराखंड के बागेश्वर में दो बार हिली धरती, भूकंप के झटके से लोगों में दहशत

उत्तराखंड के बागेश्वर जनपद में रविवार सुबह भूकंप के दो झटके महसूस किए गए, जिससे क्षेत्र में हल्की दहशत का माहौल बन गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी शिखा सुयाल के अनुसार पहला झटका सुबह 10:32:33 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.1 मापी गई। इसका केंद्र बागेश्वर क्षेत्र में 30.088 उत्तर अक्षांश और 79.902 पूर्व देशांतर पर स्थित था, जबकि इसकी गहराई 5 किलोमीटर दर्ज की गई। इसके बाद दूसरा झटका सुबह 10:46:59 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 2.6 रही। इसका केंद्र 30.140 उत्तर अक्षांश और 79.905 पूर्व देशांतर रहा और इसकी गहराई भी 5 किलोमीटर आंकी गई। विशेषज्ञों के अनुसार, कम तीव्रता के ये भूकंप सामान्य भूगर्भीय गतिविधियों का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन लगातार झटके आने से यहां लोगों में भय का माहौल बन गया।

हाथरस -मणिपुर की याद दिला सुप्रिया श्रीनेत ने मोदी सरकार को घेरा, लगाए ये बड़े आरोप

नई दिल्ली । कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीएम के भाषण में कांग्रेस का बार-बार जिक्र होने पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने 29 मिनट के भाषण में 58 बार कांग्रेस का नाम लिया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कांग्रेस पार्टी नहीं होती, तो प्रधानमंत्री किस नाम की माला जपते? उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री की घबराहट को दर्शाता है। सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण को एक राजनीतिक खेल के रूप में इस्तेमाल कर रही है। उनका कहना है कि मोदी सरकार महिला आरक्षण की आड़ में अलोकतांत्रिक परिसीमन करना चाहती है ताकि वह जाति जनगणना के मुद्दे से बच सके। उन्होंने कहा कि उनकी यह योजना अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और प्रधानमंत्री इसी कारण घबराए हुए हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार सभी शर्तों को हटाकर बिना देरी के महिलाओं को 543 सीटों में से 181 सीटें दें। कांग्रेस प्रवक्ता ने बीजेपी सरकार के महिलाओं के प्रति रिकॉर्ड पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में बीजेपी के मात्र 12.9 फीसदी सांसद महिला हैं और देश भर में उनके 10 प्रतिशत से भी कम विधायक महिलाएं हैं। श्रीनेत ने हाथरस और मणिपुर जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए पीएम मोदी के महिला सम्मान के दावे को कमजोर बताया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि देश की महिलाएं सब देख और समझ रही हैं और समय आने पर वे अपने अपमान का हिसाब जरूर लेंगी। सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में चुनाव प्रक्रिया चल रही है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री का इस तरह का भाषण देना चुनावी मानदंडों के खिलाफ है। उन्होंने अंत में कहा कि प्रधानमंत्री का जनता से सीधा संपर्क अब टूट चुका है और उनके आसपास के लोग उन्हें सच्चाई बताने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

महिला आरक्षण बिल पर ममता बनर्जी का पीएम मोदी पर वार, पूछा- अब अपनी इमेज बचाने के लिए रो रहे हैं?

बंगाल । मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को चुनाव प्रचार के दौरान केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल में डर का माहौल बनाने के लिए युद्ध की गाड़ियां लेकर आई है, लेकिन बंगाल की जनता किसी भी कीमत पर डरने वाली नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस लड़ाई को लोकतांत्रिक तरीके से लड़ेंगी और भाजपा को परास्त करेंगी।

प्रवासियों से धर्म की राजनीति का आरोप

ममता बनर्जी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे प्रवासी श्रमिकों की भावनाओं का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि मजदूरों को गीता और अन्य धर्मग्रंथों की कसम खिलवाई जा रही है ताकि वे भाजपा के पक्ष में मतदान करें। मुख्यमंत्री ने इसे राजनीति का अब तक का सबसे गिरता हुआ स्तर करार दिया।

पीएम मोदी पर साधा निशाना

महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) पर चर्चा करते हुए ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा, पिछले शुक्रवार को लोकसभा में बिल के मामले में सरकार को मुंह की खानी पड़ी है।

मुख्यमंत्री ने तंज कसा कि अब अपनी हार और खराब छवि को छिपाने के लिए प्रधानमंत्री रोने का नाटक कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि बिल 2023 में ही पारित हो गया था, तो उसे अब तक प्रभावी ढंग से लागू क्यों नहीं किया गया? उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं के सम्मान की बात तो करती है, लेकिन उनकी मंशा में खोट है।

चुनावी रैलियों का महादंगल

रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का चुनावी कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा। उन्होंने तारकेश्वर से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत की और इसके बाद कालना, मंतेश्वर व बर्द्धमान दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी के इन आक्रामक बयानों से राज्य में चुनावी ध्रुवीकरण और भी तेज हो सकता है।

इंडी गठबंधन ने द्रौपदी चीरहरण की याद दिला दी, मुस्लिम औरतों के लिए अलग आरक्षण संविधान का अपमान - योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला. लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा महिला आरक्षण बिल गिरना चीर हरण जैसा है. सीएम योगी ने कहा कि हम कह सकते हैं कि आधी आबादी के मन में विपक्ष के नारी विरोधी आचरण के बारे में भारी आक्रोश है.

ये आक्रोश कांग्रेस, राजद, TMC, DMK, सपा और अन्य दलों के खिलाफ देखने को मिल रहा है जो इस पाप के भागीदार थे. सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम कह सकते हैं आधी आबादी के मन में विपक्ष के आचरण के बारे में आक्रोश है. ये आक्रोश इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल जो इस पाप में भागीदार थे उनके प्रति देखने को मिल रहा है. साल 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था लेकिन जब सामाजिक और महिला संगठनों ने मांग कि 29 में लागू हो तब प्रधानमंत्री ने इसके लिए प्रयास किया. जब बात चर्चा में आई दक्षिण में हक कम न हो तो ये स्पष्ट किया कि 2011 में जनगणना हुई उसके तहत अनुपात में बढ़ेगा लेकिन जो दृश्य दिखा वो भरी सभा में द्रौपदी के चीर हरण का दृश्य था. सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि याद कीजिए कि जब भारत का संविधान तैयार किया जा रहा था, तब धर्म के आधार पर आरक्षण देने की भी मांग उठी थी. उस समय, सभी पक्षों ने एकमत होकर इसका विरोध किया था. इंडिया गठबंधन को आधी आबादी से माफी मांगनी चाहिए लेकिन आधी आबादी उन्हें माफ नहीं करेगी. आधी आबादी की लीडरशिप को इंडिया गठबंधन ने बाधक बनकर रोका है. नारी शक्ति के जो कदम उठाए जाएंगे एनडीए उनके साथ खड़ा है. मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रिपल तलाक पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया तब ट्रिपल तलाक के खिलाफ बनाए गए कानून का भी कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के अन्य सहयोगियों ने विरोध किया था. कांग्रेस को देश में सबसे अधिक समय तक शासन करने का अवसर प्राप्त हुआ लेकिन नारी, गरीब, युवा और किसान के लिए किसी भी अच्छे प्रोग्राम को आगे नहीं बढ़ा पाए.

महिला आरक्षण बिल पर अखिलेश ने बीजेपी को घेरा, बोले- भाजपा नारी को नारा बनाने की कोशिश में थी

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में रविवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर बीजेपी पर जबरदस्त निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा नारी को नारा बनाने की कोशिश में थी। लेकिन, विपक्ष ने उनको अपने मंसूबों पर सफल नहीं होने दिया। जब भाजपा जनगणना नहीं करा सकता, तो महिलाओं को आरक्षण कैसे देंगे? उन्होंने कहा कि यदि सरकार जनगणना कराएगी तो जातीय जनगणना की बात उठेगी। लेकिन, ये सरकार उनका हक नहीं देना चाहती। हम आधी आबादी को हक देना चाहते हैं, लेकिन वो आधी आबादी कौन सी होगी, ये कौन तय करेगा? विपक्ष सही मायनों में अब देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है। भाजपा पहले लोगों को छोटे गुटों में बांटती है, फिर उनको डर दिखाती है। कहती है तुम खतरे में हो, हमारे साथ आ जाओ। भाजपाई सत्ता पाने के लिए कितना भी नीचे गिर सकते हैं। सपा मुखिया ने आगे कहा कि भाजपा का सीएमएफ फार्मूला यानी क्रिएट मिस्ट्रस एंड फियर अब पिट चुका है। इनकी चाल जनता के सामने खुल चुकी है। इसलिए, इनकी हार होना शुरू हो गई है। एकता को बांटने के लिए भाजपाई अब महिलाओं के बीच खेल खेल रहे हैं। लेकिन, अब महिलाएं ही भाजपा को हराएंगी। भाजपा वाले पुरुषों की सत्ता में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का हर प्रयास, हर बिल या तो कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने वाला होता है, या फिर छल छलावा होता है। इस बार भाजपा इस बिल के माध्यम से महिलाओं की एकता में दरार डालकर उनको ठगना चाहती थी, लेकिन विपक्ष की एकता ने उनके मंसूबों के धूल चटा दी। ये भाजपा के खिलाफ देश में संकरी हो चुकी जन चेतना की जीत है। महिला आरक्षण बिल के सहारे भाजपा नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही थी। परिसीमन के रूप में यह बिल भी नारी का हरण करने आया था।